

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : Political science

Chapter : 2

Chapter Name : एक दल के प्रभुत्व का दौर

Q1 रिक्त स्थान को भरने के लिए सही विकल्प चुनें।

(अ) 1952 के पहले आम चुनाव में लोकसभा के साथ के चुनाव शामिल थे।

(ब) पहले चुनावों में दूसरी सबसे बड़ी लोकसभा सीटें जीतने वाली पार्टी थी।

(स) स्वतंत्र पार्टी की विचारधारा के निर्देशक सिद्धांतों में से एक..... था।

Answer.

(अ) राज्यसभा

(ब) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(स) राज्य नियंत्रण से मुक्त अर्थव्यवस्था

Page : 44 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 एकल पार्टी के प्रभुत्व के बारे में चार कथन नीचे दिए गए हैं। उनमें से प्रत्येक को सही या गलत के रूप में चिह्नित करें।

(अ) एकल पार्टी का प्रभुत्व मजबूत वैकल्पिक राजनीतिक दलों की अनुपस्थिति में निहित है।

(ब) एकल पार्टी कमजोर जनमत के कारण होती है।

(स) एकल पार्टी का प्रभुत्व देश के औपनिवेशिक अतीत से जुड़ा हुआ है

(द) एकल पार्टी प्रभुत्व किसी देश में लोकतांत्रिक आदर्शों के अभाव को दर्शाता है।

Answer.

(अ) सही

(ब) गलत

(स) सही

(द) गलत

Page : 44 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 यदि भारतीय जनसंघ या भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पहले चुनावों के बाद सरकार बनाई होती, तो सरकार की नीति किस प्रकार अलग होती? दोनों पक्षों के लिए तीन अंतर निर्दिष्ट करें।

Answer. अगर भारतीय जनसंघ ने पहले चुनावों के बाद सरकार बनाई होती तो यह कांग्रेस पार्टी से अलग होती। भारतीय जनसंघ एक देश, एक संस्कृति, एक राष्ट्र के विचार पर ध्यान केंद्रित करता और यह मानता कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के आधार पर देश आधुनिक, प्रगतिशील और मजबूत बन सकता है। हालांकि यह भारत जैसे देश, जहाँ अलग-अलग संस्कृति, विभिन्न भाषाएँ और विभिन्न परम्पराएँ हैं, में संभव नहीं हो सकता है। पार्टी अंग्रेजी को हिंदी के साथ बदलने के लिए आंदोलन में सबसे आगे थी क्योंकि भारत की आधिकारिक भाषा ने धार्मिक और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को रियायतें देने का भी विरोध किया था, जो इन सीमान्त समूहों के पिछड़ेपन के कारण इतना बड़ा विचार नहीं है।

जबकि भारत की कम्युनिस्ट पार्टी जिसने नाज़ी जर्मनी के खिलाफ युद्ध में ब्रिटिश का समर्थन किया था। आज़ादी ने पार्टी में अलग आवाज़ उठाई। स्वतंत्रता के तुरंत बाद, पार्टी ने सोचा कि '1947' में सत्ता का हस्तांतरण सही स्वतंत्रता नहीं थी और तेलंगाना में हिंसक विद्रोह को प्रोत्साहित किया। इसलिए एक पार्टी जिसने हिंसक विद्रोह को प्रोत्साहित किया, वह आज़ादी के बाद राष्ट्र की देखभाल नहीं कर सकती।

Page : 44, Block Name : प्रश्नावली

Q4 किस मायने में कांग्रेस एक वैचारिक गठबंधन था? कांग्रेस के भीतर मौजूद विभिन्न विचारधाराओं का उल्लेख करें।

Answer. कांग्रेस 1885 के दशक में, जो पहले नए शिक्षित, व्यावसायिक और वाणिज्यिक वर्गों के लिए एक दबाव समूह था, अब बीसवीं सदी में एक जन आंदोलन के रूप में विकसित हुई। इस प्रकार कांग्रेस अंग्रेजी बोलने, उच्च जाति, उच्च मध्यम वर्ग और शहरी अभिजात वर्ग के प्रभुत्व वाली पार्टी के रूप में शुरू हुई। लेकिन हर सविनय अवज्ञा आंदोलन के साथ इसका सामाजिक आधार व्यापक हो गया। इसने विभिन्न समूहों को एक साथ लाया। धीरे-धीरे इसका नेतृत्व भी एक ग्रामीण अभिविन्यास वाले कृषि आधारित नेताओं के लिए उच्च जाति और उच्च वर्ग के पेशेवरों से परे विस्तारित हुआ। कई अलग-अलग समूहों ने अपनी पहचान कांग्रेस के भीतर मिला ली। बहुत बार वे कांग्रेस के भीतर मौजूद नहीं थे और अलग-अलग विश्वास रखने वाले समूहों और व्यक्तियों के रूप में मौजूद

थे। इस अर्थ में कांग्रेस एक वैचारिक गठबंधन भी था। इसमें क्रांतिकारी और शांतिवादी, रूढ़िवादी और कट्टरपंथी, अतिवादी और उदारवादी और केंद्र के दाएं, बाएं और अन्य सभी प्रकारों को शामिल किया गया।

Page : 44 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 क्या भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर एकल पार्टी प्रभुत्व प्रणाली का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा?

Answer. एकल पार्टी का प्रभुत्व हमेशा के लिए नकारात्मक पहलू नहीं है। पिछले सभी मामलों में लोगों की पसंद है और एकल पार्टी का प्रभुत्व केवल इसलिए है क्योंकि लोग इसे चुनते हैं। भारत एकमात्र ऐसा देश नहीं है जिसने एक पार्टी के प्रभुत्व का अनुभव किया है। यदि हम दुनिया भर में देखें, तो हमें एकल पार्टी के प्रभुत्व के कई अन्य उदाहरण मिलते हैं। लेकिन अन्य सभी मामलों में एकल पार्टी को लोकतंत्र से समझौता करके सुनिश्चित किया गया था। लेकिन भारत में जब हम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रभुत्व को देखते हैं तो हम भारतीय राष्ट्रीय आंदोलनों में और भारतीय स्वतंत्रता की प्रक्रिया में कांग्रेस पार्टी के प्रयासों को स्पष्ट रूप से देखते हैं। इसलिए एकल पार्टी प्रणाली जो किसी भी प्रकार के लोकतंत्र को नुकसान नहीं पहुंचाती है, नकारात्मक नहीं है।

Page : 44 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच और भारतीय जनसंघ और स्वतन्त्र पार्टी के बीच तीन अंतर बताएं।

Answer. समाजवादी लोकतांत्रिक समाजवाद की विचारधारा में विश्वास करते थे जो उन्हें कांग्रेस के साथ-साथ कम्युनिस्टों से भी अलग करता था। उन्होंने पूंजीपतियों और जमींदारों के पक्ष में और किसानों की अनदेखी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। लेकिन समाजवादियों को तब दुविधा का सामना करना पड़ा जब '1955' में कांग्रेस ने अपने लक्ष्य को समाज का समाजवादी स्वरूप घोषित किया। इस प्रकार समाजवादियों के लिए खुद को कांग्रेस के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना मुश्किल हो गया। दूसरी ओर, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने रूस में बोल्शेविक क्रांति से प्रेरणा ली और देश को प्रभावित करने वाली समस्याओं के समाधान के रूप में समाजवाद की वकालत की। स्वतंत्रता ने पार्टी में कई आवाजें उठाईं। कम्युनिस्ट अपनी स्थिति के लिए लोकप्रिय समर्थन उत्पन्न करने में विफल रहे और सशस्त्र बलों द्वारा कुचल दिया गया।

भारतीय जनसंघ जो '1951' में बना था, उसके वंश का पता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू महासभा से लगाया जा सकता है। जनसंघ विचारधारा और कार्यक्रमों के मामले में अन्य राजनीतिक दलों से अलग था। इसने एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र के विचार पर जोर दिया और माना कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के आधार पर देश मजबूत हो सकता है। पार्टी ने अखण्ड भारत में भारत और पाकिस्तान के पुनर्मिलन का आह्वान किया। हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अंग्रेजी के साथ बदलने के लिए पार्टी आंदोलन में सबसे आगे थी। स्वतंत्र पार्टी चाहती थी कि सरकार अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने में कम से कम शामिल हो। ये मानते थे कि समृद्धि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के माध्यम से ही आ सकती है। यह अर्थव्यवस्था, केंद्रीकृत योजना, राष्ट्रीयकरण और सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य के हस्तक्षेप की विकास रणनीति के लिए महत्वपूर्ण था। ये इसके बजाय एक मुक्त निजी

क्षेत्र के विस्तार के पक्षधर थे। स्वतंत्र पार्टी कृषि में भूमि की हदबंदी के खिलाफ थी, और सहकारी खेती तथा राज्य व्यापार का विरोध किया।

Page : 44 , Block Name : प्रश्नावली

Q7 एकल पार्टी के वर्चस्व के तहत मैक्सिको और भारत के बीच मुख्य अंतर के रूप में आप क्या पेश करेंगे?

Answer. राष्ट्रीय क्रांतिकारी पार्टी और बाद में नाम बदलकर संस्थागत क्रांतिकारी पार्टी के रूप में मैक्सिको में लगभग छह दशकों तक सत्ता में रही। इसने मैक्सिकन क्रांति की विरासत का प्रतिनिधित्व किया। मूल रूप से पीआरआई राजनीतिक और सैन्य नेताओं, श्रम और किसान संगठनों और कई राजनीतिक दलों सहित विभिन्न हितों का मिश्रण था। समय-समय पर, PRI के संस्थापक प्लुटारो एलियास कॉलस इस संगठन और इस तरह सरकार पर कब्जा करने में सक्षम रहे। चुनाव नियमित अंतराल पर होते थे और PRI हर बार जीता। सत्ता पक्ष को अधिक वैधता देने के लिए ही अन्य दलों के नाम मौजूद थे, चुनावी कानूनों को इस तरह से संचालित किया गया था कि पीआरआई हर बार जीते। लेकिन अगर हम भारत में इस मामले को देखें तो पार्टी का वर्चस्व अनुचित साधनों के कारण नहीं था, यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की लोकप्रियता के कारण था। यह मैक्सिको और भारत में एकल पार्टी के वर्चस्व के बीच का प्रमुख अंतर था।

Page : 44 , Block Name : प्रश्नावली

aglasem.com